पाठ 1. तरुवर

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

(क) पेड़ हमें शीतल छाया और मीठे फल देते हैं।

(ख) क्योंकि इनके बिना धरती पर जीवन असंभव है।

(ग) तरुवर की यह बात निराली है कि यह डंडे से मारने पर भी हमें फल देता है।

III. लिखित कौशल

1. (क) कविता में 'सहनशीलता' से यह आशय है कि पेड़ हमारे द्वारा पत्थर मारने पर भी सब कुछ सहकर हमें मीठे फल देता है।

(ख) 'स्वयं झुलसकर दूसरों को शीतल छाया देना' से पेड़ के परोपकारी भाव का पता चलता है।

(ग) हमारा जीवन पेड़ों पर निर्भर है क्योंकि इनसे ही हमें जीवनदायी शुद्ध हवा, फल, लकड़ी एवं विभिन्न प्रकार की औषधियाँ मिलती हैं। इनके बिना धरती पर हमारा अस्तित्व असंभव है।

2. (क) साथ हवाओं के मिल <u>गाता</u>
<u>दिनभर</u> जो विजन डुलाता,
पत्तों से <u>देता</u> है ताली,
उस तरुवर की बात <u>निराली</u>।

(ख) <u>नई</u> राह यह हमें दिखाता,
सबके मन का मैल <u>मिटाता</u>,
परोपकार <u>सबको सिखलाता</u>,
<u>नया-नया</u> यह पाठ पढ़ाता।

3. (क) इन पंक्तियों का यह आशय है कि हम पेड़ पर पत्थर मारकर उसको कष्ट पहुँचाते हैं फिर भी वह हमें बदले में मीठे फल देता है।

(ख) इसका आशय यही है कि पेड़ परोपकारी होते हैं। वे हमें परोपकार की सीख देते हुए हमारे मन को निर्मल बनाते हैं तथा हमें जीवन में नया रास्ता दिखाते हैं अर्थात् परोपकार के रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं।

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (iii) (ख) (iii)

V. मूल्यपरक प्रश्न

परोपकार का अर्थ है दूसरों का भला करना। पेड़ अपनी शुद्ध हवा, छाया और मीठे फल हमें देते हैं। इस तरह हम भी दूसरों की मदद करके पेड़ों से परोपकार सीख सकते हैं।

VI. भाषा कौशल

1. (क) तरुवर – त् + अ + र् + उ + व् + अ + र् + अ

(ख) शीतल – श् + ई + त् + अ + ल् + अ

(ग) विजन – व् + इ + ज् + अ + न् + अ

(घ) बटोही – ब् + अ + ट् + ओ + ह् + ई

(ङ) क्रोध – क् + र् + ओ + ध् + अ

2. (क) हवा – वायु, पवन, समीर (ख) तरुवर – वृक्ष, पेड़, पादप (ग) बटोही – मुसाफिर, राही, पथिक

3. (क) साथ <u>हवाओं</u> के मिल गाता। हवाओं

(ख) <u>क्रोध</u> दिखाओ, <u>प्रेम</u> मिलेगा। क्रोध, प्रेम

(ग) कोई थका <u>बटोही</u> आए। — बटोही

(घ) <u>सहनशीलता</u> इसमें ऐसी। — सहनशीलता

(ङ) बदले में मीठा <u>फल</u> पाते। — फल

4. (क) (iii) (ख) (iii) (ग) (ii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1-2. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 2. धरा की पाती

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

(क) पृथ्वी का जन्म आज से लगभग पाँच खरब वर्ष पूर्व हुआ होगा।

(ख) पृथ्वी का आकार लंबोतरा है।

(ग) पृथ्वी सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाती है।

III. लिखित कौशल

1. (क) पृथ्वी की सूर्य के चारों ओर घूमने की गति को परिभ्रमण कहते हैं। इसके कारण दिन-रात होते हैं।

   (ख) पृथ्वी एक अनोखा ग्रह है क्योंकि इसके अधिकाधिक भाग पर जल-ही-जल है।

   (ग) पृथ्वी के चारों ओर वायुमंडल है। इसका तापमान मानव जीवन के लिए अनुकूल और लाभकारी है। यहाँ हरे-भरे मैदान, सागर, नदियाँ और बर्फ़ीले पहाड़ हैं। इसलिए पृथ्वी पर जीवन है।

   (घ) पृथ्वी के खराब होते पर्यावरण के लिए मानव ज़िम्मेदार है क्योंकि वह विकास के लिए उपभोक्तावादी नीति को अपनाकर पर्यावरण प्रदूषण को बढ़ावा दे रहा है।

2. (क) अनुसंधानों (ख) धुरी (ग) अनोखा (घ) तापमान, अनुकूल और लाभकारी

   (ङ) आग्रह

3. विद्यार्थी स्वयं करें।

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (ii) (ख) (iii) (ग) (ii) (घ) (iii)

V. मूल्यपरक प्रश्न

ग्लोबल वार्मिंग, ग्रीनहाउस गैसों, जीवाश्म ईंधनों के दोहन तथा वनों के तेज़ी से कटाव के कारण धरती का तापमान बढ़ रहा है। बढ़ते तापमान और खराब होते पर्यावरण को ठीक करने के लिए ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन रोकना होगा, पर्यावरण प्रदूषण के लिए ज़िम्मेदार कारकों पर लगाम लगानी होगी। इसके अलावा वनों की कटाई पर रोक लगानी होगी।

VI. भाषा कौशल

1. (क) अच्छे, स्वच्छ (ख) बुद्धिमान, प्रसिद्ध (ग) प्रयत्नशील, रत्न (घ) उपभोक्तावाद, रक्त
2. (क) आशा × निराशा (ख) जन्म × मरण (ग) इच्छा × अनिच्छा

   (घ) अनुकूल × प्रतिकूल (ङ) विशाल × लघु (च) बुद्धिमान × मूर्ख
3. (क) तुम, मेरे (ख) मेरा (ग) तुम्हें (घ) अपनी (ङ) मुझे, तुम, मेरा
4. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 3. मुझमें भी प्राण हैं

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

(क) रीना थकान मिटाने के लिए सोफ़े पर बैठ गई।

(ख) सपने में रीना स्कूल जाने के लिए घर से निकल रही थी।

(ग) रीना के सामने एक स्त्री के रूप में नदी प्रकट हुई।

(घ) कमरे से बाहर आने पर रीना ने देखा कि माँ पिता जी को पॉलिथीन पकड़ा रही हैं।

III. लिखित कौशल

1. (क) रीना के घर में पूजा थी। सुबह से ही वह माँ के साथ हर काम में हाथ बँटा रही थी इसलिए वह थक गई थी।

(ख) पूजा समाप्त होने के बाद माँ साफ़-सफ़ाई करने लगीं। उन्होंने पूजा के फूल एवं मालाएँ, धूप-अगरबत्ती के अधजले टुकड़े, मिट्टी के कलश और कुछ पुरानी पीली पड़ गई तस्वीरें एक बड़ी-सी पॉलिथीन में भरकर रख दिए।

(ग) रीना ने सपने में पॉलिथीन को नदी में फेंका था।

(घ) स्त्री ने नदी के रूप में रीना को अपना परिचय दिया। उसने कहा, "मैं नदी हूँ। वही नदी, जिसे दूषित कर मानव हमेशा भूल जाता है।"

(ङ) स्त्री ने गंगा, यमुना, कावेरी, गोमती आदि नदियों का नाम लिया था।

(च) रीना की अध्यापिका ने उसे नदियों द्वारा सभ्यता के विकास तथा गाँवों-नगरों के बसने के बारे में बतलाया था।

(छ) सपना टूटने के बाद रीना के मन से आवाज़ आई, 'रीना! जब जागो तभी सवेरा। आओ, प्रण करो कि नदियों को प्रदूषित होने से बचाएँगे। इसके लिए लोगों को जागरूक बनाएँगे।'

(ज) पिता जी ने रीना को कहा, "ये हुई न बात! अब मैं सबको कह सकता हूँ कि मेरा नाम करेगी रोशन, जग में मेरी राजदुलारी!"

2. (क) अस्पष्ट (ख) पुल (ग) परिचय (घ) गला (ङ) नदियों

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (iii) (ख) (ii) (ग) (i)

V. मूल्यपरक प्रश्न

- इस पाठ द्वारा हमें अपने पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने का संदेश मिलता है। यह पाठ हमें बताता है कि नदी-तालाबों में कूड़ा-कचरा डालने या पशुओं को नहलाने से जल प्रदूषित होता है, इसकी रोकथाम करना आवश्यक है। जल हमारा प्राकृतिक संसाधन है इसका कोई विकल्प नहीं है इसलिए इसे व्यर्थ तथा दूषित करने से बचाना होगा।
- नदियों को प्रदूषण से बचाने के लिए हमें निम्नलिखित उपाय करने चाहिए–

(i) नदियों में कूड़ा-कचरा डालना बंद करना होगा।

(ii) कल-कारखानों से निकलने वाले हानिकारक पदार्थ जो नदियों में बहाए जाते हैं, उन पर रोक लगानी होगी।

(iii) नालों के गंदे पानी को नदियों में मिलने से रोकना होगा।

(iv) नदियों की सफ़ाई से संबंधित जागरूकता कार्यक्रम चलाने होंगे।

VI. भाषा कौशल

1. (क) राजदुलारी (ख) जलधारा (ग) कार्यक्रम (घ) अगरबत्ती
2. (क) अपवित्र (ख) अस्पष्ट (ग) अस्वच्छ (घ) अहित
3. (क) गहरी (ख) स्वच्छ, निर्मल (ग) मैली (घ) स्वच्छ (ङ) विषैले

   (च) पवित्र
4. (क) विसर्जन (ख) रासायनिक (ग) विषैला (घ) साइकिल
5. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (ii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. **सजीव–** मानव, पेड़-पौधे, जानवर, कीड़े-मकोड़े, समुद्री जीव।
   निर्जीव– घर, फ़ोन, गाड़ी, पुस्तक, पंखा।
2. विद्यार्थी स्वयं करें।
3. कृष्णा, गोदावरी, नर्मदा, यमुना, गंगा, ताप्ती, कावेरी, सतलुज

4-5. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 4. इंद्रधनुष के रंग

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

(क) विद्यालय में खेल की कक्षा चल रही थी।

(ख) रमा ने आसमान में इंद्रधनुष देखा।

(ग) सभी बच्चे विज्ञान के अध्यापक के पास गए।

(घ) बच्चे जानना चाहते थे कि इंद्रधनुष कैसे बनता है।

(ङ) इंद्रधनुष धनुष के आकार का होता है।

III. लिखित कौशल

1. (क) विज्ञान के अध्यापक ने बताया कि वर्षा ऋतु में जब नमी बढ़ जाती है तो पानी की छोटी-छोटी बूँदें या कण वायुमंडल में तैरते रहते हैं। जब सूर्य की किरणें इन बूँदों से होकर गुजरती हैं तो प्रकाश की सफ़ेद किरणें थोड़ी-सी मुड़ती हैं तथा सात रंगों में विभाजित हो जाती हैं और इन्हीं रंगों से इंद्रधनुष बनता है।

(ख) इंद्रधनुष में सात रंग होते हैं। उनका क्रम है– बैंगनी, जामुनी, नीला, हरा, पीला, नारंगी और लाल।

(ग) बूँदों के कारण प्रकाश के अलग-अलग दिशाओं में मुड़ने के कारण एक के ऊपर एक-दो इंद्रधनुष दिखाई देते हैं।

(घ) पौराणिक मान्यता यह है कि इंद्र देवता वर्षा के देवता माने जाते हैं। वर्षा के देव इंद्र का धनुष 'इंद्रधनुष' है। वर्षा ऋतु में पानी की बूँदों के कारण इसका निर्माण होने से तथा धनुष के आकार का होने के कारण इसे इंद्रधनुष कहा जाता है।

(ङ) चलते फव्वारों में, ऊँचाई से गिरते जलप्रपातों में और जहाँ जल की बारीक बूँदें दूर-दूर तक फैल जाती हैं वहाँ भी इंद्रधनुष बनता दिखाई देता है।

2. (क) मिताली ने (ख) अनिरुद्ध ने

3. (क) खेल (ख) वर्षा (ग) शांत (घ) इंद्र (ङ) फव्वारे

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (ii) (ख) (i)

V. मूल्यपरक प्रश्न

यह सही है कि वैज्ञानिक आधार पर पौराणिक मान्यताओं को इतना अहम नहीं माना जाता है परंतु फिर भी कभी-कभी कुछ पौराणिक मान्यताएँ सही भी सिद्ध होती हैं। अतः हम इन्हें पूर्णतया अनदेखा नहीं कर सकते। इन मान्यताओं के द्वारा हमें किसी भी चीज़ के बारे में जानने के लिए एक दिशा मिलती है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) इंद्रधनुष, रंग, सुंदर, वायुमंडल (ख) बूँदें, बाँटना, ऊँचाई, धुँधला

2. (क) एकवचन (ख) बहुवचन (ग) एकवचन (घ) बहुवचन (ङ) एकवचन

3. (क) कुछ देर पहले वर्षा हो चुकी थी।

(ख) सभी बच्चे बाहर मैदान में खेल रहे थे।

(ग) विज्ञान के अध्यापक ने बताना शुरू किया।

(घ) इंद्रधनुष धुँधला होता जा रहा है।

4. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (iii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. विद्यार्थी स्वयं करें।

2. (क) पिनाक – भगवान शिव (ख) गांडीव – अर्जुन (ग) शारंग – भगवान विष्णु

3-6. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 5. मैं सबसे छोटी होऊँ

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

(क) कवि ने अपने आपको छोटी बच्ची के रूप में प्रस्तुत किया है।

(ख) इस कविता के रचयिता सुमित्रानंदन पंत हैं।

III. लिखित कौशल

1. (क) कवि की इच्छा है कि वे कभी बड़ा न होएँ और सदा अपनी माँ के आँचल की छाया में उनका स्नेह प्राप्त करते रहें।

(ख) कवि ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि कवि समझते हैं कि जब हम (बच्चे) बड़े हो जाते हैं तब माँ हमारे साथ दिन-रात नहीं रहतीं। वे हमारा हाथ पकड़कर हमारे साथ नहीं चलतीं। हमें अपने हाथ से खिलाती-पिलाती नहीं हैं तथा हमें कहानियाँ भी नहीं सुनातीं। हमें बड़ा करके वह हमें वो प्यार नहीं देतीं जो हमारे बच्चा बने रहने पर देती थीं।

(ग) इन पंक्तियों के माध्यम से कवि कहना चाह रहे हैं कि वे बड़ा होना नहीं चाहते। वे तो सदा अपनी माँ के आँचल की छाया में उनका स्नेह पाना चाहते हैं। जहाँ वे बिना किसी डर के, जीवन के बंधनों से दूर माँ की ममता प्राप्त करते रहें और माँ की गोद में बैठकर चंद्रमा को देखा करें।

(घ) विद्यार्थी स्वयं करें।

2. (क) खिलौने, सुखद

(ख) फिर सदा हमारे,
फिरती दिन-रात।

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (i) (ख) (ii)

V. मूल्यपरक प्रश्न

- यह कविता हमें माँ के प्रति प्रेम, हमारे कर्तव्यों के निवर्हन तथा माँ के स्नेह को समझने का संदेश दे रही है। माँ बालक के जीवन की वह मज़बूत आधारशिला होती है जो बच्चे की जीवन रूपी इमारत को सँभाले रखती है। प्रत्येक बालक को अपनी माँ के स्नेह, त्याग तथा कर्तव्यों का सम्मान करना चाहिए तथा अपनी माँ की सेवा-आदर को सर्वोपरि स्थान देना चाहिए।
- विद्यार्थी स्वयं करें।

VI. भाषा कौशल

1. (क) हस्त, कर (ख) माता, जननी (ग) दिवस, वार (घ) रात्रि, निशा

2. (क) आज आसमान में बहुत धूल उड़ रही है।

(ख) यात्री पेड़ की छाया में आराम करने लगा।

(ग) पशु-पक्षी भी स्नेह की भाषा समझते हैं।

(घ) हमें सदा सच बोलना चाहिए।

3. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 6. क्यों-क्यों लड़की

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

(क) मोइना एक आदिवासी लड़की थी।

(ख) मोइना की माँ का नाम खीरी था।

(ग) मोइना के बार-बार सवाल पूछने के कारण गाँव के पोस्टमास्टर ने उसे 'क्यों-क्यों लकड़ी' नाम दे दिया। इसलिए उसका नाम 'क्यों-क्यों लड़की' पड़ गया।

III. लिखित कौशल

1. (क) मोइना करीब दस साल की थी।

(ख) अपनी स्थिति देखकर मोइना सवाल करती थी- क्यों मुझे मीलों चलना पड़ता है नदी से पानी लाने के लिए? क्यों रहते हैं हम पत्ते की झोंपड़ी में? हम दिन में दो बार चावल क्यों नहीं खा सकते?

(ग) मोइना गाँव के बाबुओं की बकरियाँ चराने का काम करने जाती थी।

(घ) मोइना इसलिए पढ़ना चाहती थी ताकि वह अपने सवालों के जवाब ढूँढ़ सके।

(ङ) अध्यापिका बन जाने पर मोइना बच्चों से कहती– आलस मत करो। सवाल करो मुझसे। पूछो, क्यों मच्छरों को खत्म करना चाहिए? क्यों ध्रुवतारा हमेशा उत्तरी आकाश में रहता है?

2. (क) लेखिका ने (ख) मोइना ने (ग) मालती शिक्षिका ने

(घ) मोइना ने (ङ) मोइना की माँ खीरी ने

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (ii) (ख) (i) (ग) (i)

V. मूल्यपरक प्रश्न

- इस वाक्य द्वारा मोइना ने यह समझाना चाहा है कि पेड़ हमारे लिए बहुत महत्त्वपूर्ण हैं। ये जीवन का आधार हैं। पेड़ वर्षा लाते हैं। पेड़-पौधों से हमें ऑक्सीजन मिलती है। इनसे हमें फल, लकड़ियाँ तथा औषधियाँ भी मिलती हैं।
- शिक्षा का हमारे जीवन में बहुत महत्त्व है। शिक्षा प्राप्त करके मनुष्य सभ्य नागरिक बनता है। उसका मानसिक विकास होता है। शिक्षित होकर वह रोजगार के नए-नए अवसर प्राप्त कर सकता है। शिक्षा से देश और समाज का भी विकास होता है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) जवाब (ख) शाम (ग) पाताल (घ) शांत (ङ) शहर (च) अमीर

2. (क) गद्दी, भद्दी (ख) गत्ते, छत्ता (ग) सच्चा, कच्चा

3. (क) न्यारा, अन्य (ख) वक्त, रक्त (ग) आरोग्य, भाग्य (घ) संस्कार, पुरस्कार

4. (क) मैं (ख) उसकी (ग) मुझे (घ) वह (ङ) उसने (च) तुम्हारे (छ) हम

5. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (ii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 7. सच्ची ईद

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

(क) असलम की आयु दस वर्ष थी।

(ख) असलम ने मन-ही-मन ठान लिया था कि इस बार वह रोज़े रखेगा और ईद पर नए कपड़े भी अवश्य लेगा।

(ग) पाठशाला से लौटते समय असलम रहीम चाचा की दुकान के सामने रुक जाता था।

(घ) असलम ने रुपए मोहन को दे दिए।

III. लिखित कौशल

1. (क) असलम रोज़े रखने के लिए हठ करने लगा।

(ख) असलम ने रोज़े रखने शुरू कर दिए थे। वह अम्मी के साथ सुबह चार बजे उठ जाता और थोड़ा-बहुत जो अम्मी बना देतीं, चुपचाप खा लेता फिर सारा दिन कुछ नहीं खाता, पानी तक नहीं पीता। इसी बीच वह पाठशाला भी जाता। यह सब देखकर अम्मी को उसकी चिंता होने लगती थी।

(ग) असलम की अम्मी ने उसे नए कपड़े दिलवाने के लिए दिन-रात एक करके कपड़ों पर कढ़ाई का काम किया।

(घ) असलम रहीम चाचा की दुकान पर न जाकर अपने मित्र मोहन के घर चला गया क्योंकि मोहन के पिता पिछले दो महीने से बहुत बीमार चल रहे थे जिससे वह काम पर नहीं जा पाते थे। घर में दवा के लिए भी पैसे नहीं थे। दो महीने से मोहन ने पाठशाला का शुल्क जमा नहीं किया था और उसके घर में खाने के लिए भी कुछ नहीं बचा था। असलम मोहन की मदद करना चाहता था।

(ङ) असलम ने मोहन से कहा, "मेरे भाई, इन रुपयों से अपने पिता का इलाज करवाओ और पाठशाला जाकर शुल्क जमा करा आओ।"

(च) असलम से पूरी बात जानने के बाद अम्मी ने असलम को अपने सीने से लगाते हुए कहा, "मेरे लाल, तुम एक नेक बच्चे हो! आज तुमने सच्ची ईद मनाई है।"

2. (ख) (घ) (ग) (ङ) (क)

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

V. मूल्यपरक प्रश्न

- इन पंक्तियों से पता चलता है कि असलम की अम्मी असलम से बहुत प्यार करती थीं। वे असलम को उसके पिता की कमी महसूस नहीं होने देना चाहती थीं। वे असलम की इच्छा पूरी करने का हर संभव प्रयास करती थीं। इससे असलम के प्रति उनके असीम प्रेम का पता चलता है।
- ज़रूरत पड़ने पर हमें दूसरों की मदद करनी चाहिए। कई बार दूसरों की परेशानियों को दूर करने के लिए अपनी खुशियों का त्याग करना पड़ता है। इसका सच्चा उदाहरण असलम ने प्रस्तुत किया। अतः असलम ने दूसरों की मदद करना तथा त्याग जैसे मानवीय गुणों का परिचय दिया है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) पुराना (ख) दुश्मन (ग) बुरा (घ) गीली (ङ) सुबह (च) उदास

2. (क) व्यक्तिवाचक संज्ञा (ख) जातिवाचक संज्ञा (ग) भाववाचक संज्ञा
(घ) जातिवाचक संज्ञा (ङ) भाववाचक संज्ञा (च) जातिवाचक संज्ञा

3. (क) खोला (ख) खरीदने थे (ग) बैठा था (घ) पहुँचा (ङ) बताई (च) पहनेगा (छ) मनाई है

4. (क) (iii) (ख) (i) (ग) (i)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. बैसाखी, बकरीद, दीपावली, अक्खा तीज, क्रिसमस, पोंगल, होली, बिहू, ओणम, दशहरा
2. विद्यार्थी स्वयं करें।
4. पानी, चीनी, घी, इलायची, सेवइयाँ, दूध, खोया, केवड़ा

3,5,6,7. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 8. सोने जैसे दिन हैं इसके

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

(क) हिमालय भारत की उत्तर दिशा में स्थित है।

(ख) सिंधु एक नदी है जिसका जल नीला दिखाई देता है, इसलिए इसे नील सिंधु कहा गया है।

(ग) कवि ने भारत देश के सौंदर्य के बारे में बात की है।

III. लिखित कौशल

1. (क) कवि ने सोने जैसे दिन और चाँदी जैसी रात कहा है क्योंकि जब भारत में सुबह होती है तो सूर्योदय के समय सूरज की सुनहरी किरणें चारों तरफ फैल जाती हैं और ऐसा प्रतीत होता है कि सोने की बरसात हो रही है। इसी प्रकार रात के समय चंद्रमा जब अपनी चाँदनी इस देश के ऊपर बिखेरता है तो लगता है मानो चाँदी की बरसात हो रही है।

(ख) हिमालय को भारत के मुकुट की संज्ञा दी गई है।

(ग) नील सिंधु के पग धोने से कवि का आशय है कि सिंधु नदी हिमालय से निकलकर भारत के चरणों में बहती है और इस देश की सुंदरता में चार चाँद लगाती है।

(घ) 'एक बगीचा देश हमारा' पंक्ति में भारत की विशेषता 'विविधता में एकता' को दर्शाया गया है। जिस प्रकार एक बगीचे में अनेक प्रकार के फूल मिल-जुलकर रहते हैं उसी प्रकार हमारे देश में विविध धर्म, जाति और समुदाय के लोग, विभिन्न सभ्यता-संस्कृति और त्योहारों को मनाने वाले लोग एक साथ प्रेम और सौहार्द की भावना से रहते हैं।

2. (क) <u>सजला</u> मुकुट हिमालय <u>जिसका</u> – उजला मुकुट हिमालय इसका

<u>सजीली</u>-सी नदियों की माला है, – उजली-सी नदियों की माला है,

(ख) पतझड़ में भी <u>खिलखिलाते</u> हैं – पतझड़ में भी मुसकाते हैं

इस उपवन <u>का</u> <u>गात</u> रे! – इस उपवन के पात रे!

3. (क) रंग-बिरंगे पक्षी खुशियों का गाना गाते हैं।

(ख) 'हृदय न दुखाने' का अर्थ है किसी को दुखी नहीं करना।

(ग) नभ से अमृत की बरसात होती है।

(घ) सुधा

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

V. मूल्यपरक प्रश्न

- कवि भारत के सौंदर्य का वर्णन करते हुए बताना चाहते हैं कि भारत का प्राकृतिक सौंदर्य अद्भुत है। जब सुबह के समय सूर्य की किरणें हिमालय पर पड़ती हैं तो यह सोने जैसा चमकता है और इसके चरणों में कल-कल बहती सिंधु नदी का दृश्य बहुत ही मनोरम लगता है। रात के समय चंद्रमा की शीतल श्वेत किरणें जब इस पर पड़ती हैं तो इसकी सुंदरता में चार चाँद लगा देती हैं। कवि यह भी बताना चाहते हैं कि यह देश विविधताओं से परिपूर्ण होने के बावजूद आज भी यहाँ की सांस्कृतिक एकता एवं अखंडता अक्षुण्ण है। भारत बहुत अधिक विशाल तथा विशिष्टताओं और विविधताओं से भरा देश है, इसलिए कवि कह रहे हैं कि मैं अपने छोटे मुँह से किस प्रकार इस देश का वर्णन करूँ।
- पतझड़ के पेड़ों से हमें यह सीख मिलती है कि हमें किसी भी परिस्थिति में धैर्य नहीं खोना चाहिए। जिस प्रकार पतझड़ में पेड़ों से पत्ते गिरकर फिर नए पत्ते आते हैं उसी प्रकार मनुष्य के जीवन में दुखों के बाद सुख अवश्य आता है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) सिंधु, सुंदरता (ख) मुँह, चाँदी

2. (क) खुशियाँ (ख) नदियाँ (ग) बगीचे (घ) पक्षियों (ङ) मालाएँ (च) रातें

3. (क) बगीचे में रंग-बिरंगे फूलों के पौधे हैं। (ख) हिमालय की सुंदरता देखते ही बनती है। (ग) किसान कड़ी मेहनत करते हैं।

4. (क) (i) (ख) (i) (ग) (iii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

4. माउंट एवरेस्ट

1,2,3,5. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 9. लोकमान्य तिलक

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

(क) लोकमान्य तिलक का पूरा नाम केशव गंगाधर तिलक था।

(ख) लोकमान्य तिलक का जन्म 23 जुलाई, 1856 को महाराष्ट्र के रत्नागिरि ज़िले में चिखली नामक गाँव में हुआ था।

(ग) लोकमान्य तिलक की मृत्यु 1 अगस्त, 1920 को हुई थी।

III. लिखित कौशल

1. (क) गणित का प्रश्न था – यदि 5 भेड़ें किसी मैदान की सारी घास 28 दिनों में चर सकती हैं तो 20 दिनों में उस मैदान को कितनी भेड़ें चर पाएँगी?

(ख) जब अध्यापक ने कॉपी पर लिखकर प्रश्न हल करने की बात कही तो बाल ने कहा, "पर गुरु जी जब मैं मौखिक रूप से प्रश्न हल कर सकता हूँ तो लिखने की क्या आवश्यकता है?"

(ग) बड़ा होने पर बाल गंगाधर तिलक की गिनती महान स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक के रूप में होने लगी।

(घ) लोकमान्य तिलक ने नारा दिया था – 'स्वराज्य मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा।'

(ङ) लोकमान्य तिलक को सन् 1908 में अंग्रेज़ सरकार के खिलाफ़ राजद्रोह करने के कारण गिरफ़्तार किया गया था।

(च) मांडले जेल में लोकमान्य तिलक ने अपना अधिकांश समय पढ़ने-लिखने में व्यतीत किया।

2. (क) मराठी भाषा का समाचारपत्र – केसरी (ख) अंग्रेज़ी भाषा का समाचारपत्र – मराठा

(ग) लोकमान्य तिलक की जेल से रिहाई – सन् 1914 (घ) लोकमान्य तिलक की गिरफ़्तारी – सन् 1908

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

V. मूल्यपरक प्रश्न

- लोकमान्य तिलक के जीवन से हम यह प्रेरणा ले सकते हैं कि–
  (i) हम अपने देश के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहें।
  (ii) हम अपने आस-पास व्याप्त सामाजिक बुराइयों या कुरीतियों का विरोध करने एवं उन्हें दूर करने के लिए प्रयास करें।
  (iii) आत्मविश्वास रखें एवं अपने निर्णयों पर अडिग रहें।
  (iv) विपरीत परिस्थितियों का सामना करने के लिए साहस एवं धैर्य बनाए रखें।
- इस पंक्ति से पता चलता है कि तिलक स्त्रियों को पुरुषों के समान ही महत्त्व देते थे। उनकी दृष्टि में स्त्री शिक्षा समाज में सुधार लाने का हथियार इसलिए थी क्योंकि वे मानते थे कि यदि एक स्त्री बिना पढ़े-लिखे भी अपने घर-परिवार को भली प्रकार सँभाल सकती है तो यदि उसे शिक्षित किया जाए तो वह न केवल अपने घर-परिवार में बल्कि अपने समाज तथा देश में भी बदलाव और सुधार ला सकती है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) की (ख) के (ग) का (घ) की (ङ) के (च) का

2. (क) तिलक ने उत्तरों को भली-भाँति याद कर लिया था।

(ख) अंगुलिमाल सबकी उँगलियाँ काटकर माला पहनता था।

(ग) शहरों की अपेक्षा गाँवों में प्रदूषण कम होता है।

(घ) सभी स्त्रियाँ एक साथ कुएँ पर पानी भरने गईं।

3. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. (क) 8 घंटे (ख) 16 मिस्त्री
2. (क) सुभाषचंद्र बोस (ख) लाल बहादुर शास्त्री (ग) रानी लक्ष्मीबाई
   (घ) बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय (ङ) मोहम्मद इकबाल (च) पंडित जवाहरलाल नेहरू
3. (क) महात्मा गांधी (ख) पंडित जवाहरलाल नेहरू (ग) ए.पी.जे. अब्दुल कलाम (घ) रवींद्रनाथ टैगोर
4. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 10. मेरी कहानी मेरी ज़ुबानी–मैरी कॉम

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

(क) यह पाठ मैरी कॉम की कहानी बता रहा है।

(ख) मैरी कॉम का पूरा नाम चुंगनैजांग मैरी कॉम है।

(ग) मैरी कॉम स्कूल की प्रतियोगिता में तश्तरियाँ, प्याले और टिफ़िन बॉक्स जैसे घरेलू सामान जीतती थी।

(घ) मैरी कॉम के पिता उन्हें राष्ट्रीय खेल संस्थान द्वारा प्रशिक्षित कोच, निपामचा कुनम के पास खेलों के लिए प्रशिक्षण हेतु मोइरांग ले गए।

(ङ) मैरी कॉम के मुक्केबाज़ी कोच का नाम ओजा ईबोम्चा था।

III. लिखित कौशल

1. (क) जिन मुश्किलों का सामना मैरी कॉम ने अपने बढ़ने-बनने के वर्षों में किया, उन्हें वह अपनी ताकत की बुनियाद मानती है।

(ख) मैरी कॉम के लिए स्कूल अपने मित्रों के साथ खेलने और वह सब सीखने का मौका था जो उनके माता-पिता उन्हें नहीं सिखा सकते थे।

(ग) छुट्टियों में मैरी कॉम और उनके भाई-बहनों को पहाड़ियों से जलावन की लकड़ियाँ इकट्ठा करने का काम मिलता था।

(घ) मैरी कॉम को दिन में चार बार मोइरांग और अपने गाँव के बीच साइकिल चलाना भारी साबित होने लगा। संतुलित भोजन की कमी के कारण मैरी कॉम को थकावट होने लगी। इसलिए यह साफ़ हो गया कि दौड़ने वाली प्रतियोगिताएँ मैरी कॉम के लिए अनूकूल नहीं थीं।

(ङ) मैरी कॉम के कोच ने उन्हें सिखाने से पहले ताकीद दी, ''अगर तुम्हें सचमुच दिलचस्पी है तो तुम यहाँ शामिल हो सकती हो। लेकिन मैं रोज़ के कार्यक्रम और समय को लेकर बहुत कड़ाई बरतता हूँ। अगर तुम समय की पाबंद न रह पाओ तो शामिल मत हो।''

2. (क) पृष्ठभूमि (ख) अफ़रा-तफ़री (ग) मनोरंजन (घ) जलावन (ङ) संतुलित (च) मार्गदर्शन (छ) तराश कर

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

V. मूल्यपरक प्रश्न

- इस कथन से मैरी कॉम के व्यक्तित्व के बारे में यही पता चलता है कि वह बहुत सीधी-सादी और सादगी पसंद लड़की है। उन्हें दिखावा पसंद नहीं है।
- एक खिलाड़ी के लिए संतुलित भोजन बहुत आवश्यक है। संतुलित आहार से ही उसका सही ढंग से शारीरिक, बौद्धिक तथा मानसिक विकास होता है। इससे उसके शरीर को ताकत मिलती है। खेलकूद में खिलाड़ी को खेल के अलावा कसरत करनी पड़ती है इसके लिए संतुलित आहार लेना बहुत ज़रूरी है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) मुलायम (ख) बेपरवाह (ग) अमुक्त (घ) असंतुलित (ङ) गुरु (च) अवगुण
2. (क) रास्ते, रोज़, रबड़ (ख) गर्म, मार्गदर्शन, वर्दी (ग) प्रशिक्षण, प्रतियोगिता, कार्यक्रम
3. (क) जातिवाचक (ख) व्यक्तिवाचक (ग) जातिवाचक (घ) भाववाचक
   (ङ) व्यक्तिवाचक (च) भाववाचक (छ) भाववाचक (ज) जातिवाचक
4. (क) तेज़ (ख) यहाँ (ग) बहुत (घ) शाम तक (ङ) हमेशा
5. (क) (i) (ख) (i) (ग) (i)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1,2,3,5,6. विद्यार्थी स्वयं करें।

4. विजेंद्र सिंह–मुक्केबाज़ी, हिमा दास–धावक, नीरज चोपड़ा–भाला फेंक, दीपा कर्माकर–जिमनास्टिक

पाठ 11. तीन मूर्तियाँ

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

(क) मेले में अलग-अलग मंडप और झाँकियाँ थीं।

(ख) तीसरी मूर्ति की कीमत पाँच हज़ार रुपए रखी गई थी।

(ग) कलाकार ने मूर्तियों के कान में बाँस की पतली और बड़ी-सी सलाई डाली थी।

(घ) सलाई समझदारी का प्रतीक थी।

III. लिखित कौशल

1. (क) मूर्तिकार ने तीनों मूर्तियों की कीमत अलग-अलग रखी थी क्योंकि तीनों की विशेषताएँ भिन्न थीं।

(ख) आदमी तीन तरह के होते हैं। पहला, जो एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल देता हैं; वह कभी समझदार नहीं हो सकता। दूसरा आदमी, जो एक कान से सुनकर मुँह से निकाल देता है; वह थोड़ा समझदार होता है। तीसरा, जो एक कान से सुनकर मन में धारण कर लेता है; वह पूरी तरह से समझदार होता है।

(ग) दूसरी मूर्ति की कीमत पाँच सौ रुपए थी, क्योंकि वह सुनकर कुछ ग्रहण करती है। यानी कि थोड़ा-थोड़ा अपने तक रखती है।

(घ) आदमी के सबसे समझदार रूप को दर्शाती तीसरी मूर्ति थी, जो सुना हुआ पूरा ग्रहण करती है।

2. (ख) (ङ) (क) (ग) (घ)

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (i) (ख) (iii) (ग) (iii)

V. मूल्यपरक प्रश्न

तीन तरह की मूर्तियों के माध्यम से कलाकार समझदारी की सीख प्रदान करता है। जो समझदार आदमी होता है वह दूसरों की बातों को ध्यान से सुनकर ग्रहण करता है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) गाँव (ख) बदसूरत (ग) मूर्ख (घ) नाखुश/दुखी

2. (क) भीड़ (ख) कीमत (ग) सलाई (घ) खूबसूरत

3.

	विशेषण	**विशेष्य**
(क)	एक	शहर
	बड़ा	मेला
(ख)	एक से एक	मूर्तियाँ
(ग)	पतली-सी	सलाई
(घ)	तीन तरह के	आदमी
(ङ)	थोड़ा	समझदार

4. (क) (iii) (ख) (ii) (ग) (iii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. मकान, हाथ के पंखे, टोकरियाँ, चटाइयाँ, बाँसुरी, अचार, पापड़, कैंडी, दाँत आदि।

2-7. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 12. पागल हाथी

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

(क) मोती राजा साहब की खास सवारी का हाथी था।

(ख) जंगल के हाथियों ने मोती के पैरों में पड़ी ज़ंजीरें और गले में बँधी रस्सी देखकर उससे मुँह फेर लिया।

(ग) मुरली मोती को वापस राजमहल में लेकर आया।

III. लिखित कौशल

1. (क) मोती ने क्रोध में अपने महावत को मार डाला, जिससे राजा साहब को गुस्सा आया।

(ख) मोती अपनी दशा देखकर ज़ोर-ज़ोर से चिंघाड़ता और उछलता। एक दिन उसने गले में बँधी रस्सी और पैरों में पड़ी ज़ंजीरें तोड़ डालीं तथा जंगल की ओर भाग निकला।

(ग) जंगल में पहुँचकर मोती सबसे पहले एक नदी में खूब नहाया तथा उसके बाद अपने साथियों को ढूँढ़ने लगा।

(घ) मोती ने रास्ते में राजा साहब को शिकारियों के साथ आते देखा। वह गरजता हुआ उनकी ओर दौड़ा। मोती को अपनी ओर आता देख राजा साहब घबराकर भागे।

(ङ) मुरली को देखकर मोती सोचने लगा, 'मैंने ही इसके पिता को मार डाला है।'

(च) जब मुरली मोती को लेकर राजमहल में पहुँचा तब उन्हें देखकर सबने दाँतों तले उँगली दबा ली। किसी ने उनके पास जाने की हिम्मत न दिखाई। राजा साहब को भी बहुत अचंभा हुआ कि वही पागल हाथी अब गाय की तरह सीधा हो गया है।

2. (ङ) (ग) (च) (ख) (क) (छ) (घ)

3. (क) मोती अपने साथियों को ढूँढ़ने लगा।

(ख) मोती के गले में रस्सी और पाँव में ज़ंजीर देखकर जंगल के हाथियों ने सोचा कि ये पहले तो गुलाम था अब नमकहराम गुलाम है। ऐसे हाथी की इस जंगल में कोई जगह नहीं है।

(ग) मोती शायद यह सोचकर महल की ओर चला होगा कि यहाँ जंगल में उसके लिए अब जगह नहीं है। अब महल ही उसका घर है।

(घ) नमकहलाल।

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (iii) (ख) (i) (ग) (i)

V. मूल्यपरक प्रश्न

- इस पंक्ति से पता चलता है कि मुरली में केवल साहस ही नहीं था बल्कि वह अपने बचपन के मित्र मोती से बहुत प्यार भी करता था। वह जानता था कि यदि मोती को प्रेम किया जाए तो वह ऐसा पागलपन छोड़ देगा।
- (ख) जब मुरली ने मोती को पेड़ के ऊपर से पुचकारा तब वह खुशी से सूँड हिलाने लगा।

VI. भाषा कौशल

1. (क) समझदारी (ख) भूख (ग) प्यार (घ) गुलामी (ङ) लालच (च) दया (छ) क्रोध
2. (क) पुल्लिंग (ख) स्त्रीलिंग (ग) स्त्रीलिंग (घ) पुल्लिंग (ङ) स्त्रीलिंग (च) स्त्रीलिंग
3. (क) बहुत क्रोधित होना (ख) नाराज़ हो जाना (ग) बहुत हिम्मत दिखाना (घ) आश्चर्यचकित होना
   (ङ) धोखा देना (च) गुस्सा करना
4. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 13. गुलीवर की यात्रा

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

(क) गुलीवर लिलिपुट टापू पर पहुँच गया था।

(ख) गुलीवर ने जब इशारा करके पानी माँगा तब लिलिपुटवासियों ने कई नन्हे-नन्हे पीपे गुलीवर के मुँह में उड़ेलने शुरू कर दिए।

(ग) सिपाहियों ने छह लोगों को गिरफ़्तार कर लिया था।

(घ) कुछ व्यक्ति गुलीवर के भोजन-पानी का खर्च देखकर सोचने लगे कि इससे देश में अकाल पड़ जाएगा इसलिए वे गुलीवर की हत्या करना चाहते थे।

(ङ) ब्लेफुस्कू के बादशाह ने लिलिपुट पर चढ़ाई की योजना बनाई थी।

III. लिखित कौशल

1. (क) गुलीवर का जहाज़ दक्षिणी सागर के तूफ़ान में फँस गया था।

(ख) जब गुलीवर की नींद खुली तो उसने अपने-आपको पतले-पतले धागों से बँधा पाया और उसने देखा कि मानव आकृति के बहुत छोटे-छोटे से जीव उसके ऊपर रेंगते हुए चढ़ते जा रहे थे।

(ग) भूख-प्यास लगने पर गुलीवर ने अपने हाथों से इशारा करके भूखा-प्यासा होने का संकेत दिया।

(घ) लिलिपुट के बादशाह ने गुलीवर के भोजन-पानी का सारा दायित्व अपने ऊपर ले लिया और गुलीवर को उस देश की भाषा सिखाने के लिए छह विद्वानों को नियुक्त कर दिया।

(ङ) गुलीवर को खुले में घूमने-फिरने के लिए बादशाह की यह शर्त माननी पड़ी थी कि वह बादशाह की आज्ञा के बिना कहीं आ-जा नहीं सकता तथा किसी देश से युद्ध छिड़ जाने पर उसे लिलिपुटवासियों की सहायता करनी पड़ेगी।

(च) गुलीवर कुछ रस्सियाँ और काँटे लेकर ब्लेफुस्कू की खाड़ी की ओर चल दिया। गुलीवर ने खाड़ी में घुसकर वहाँ खड़े सभी जहाज़ों को काँटों में फँसा लिया और उन्हें खींचता हुआ लिलिपुट की ओर लेकर चल दिया और इस तरह गुलीवर ने लिलिपुटवासियों को ब्लेफुस्कू के आक्रमण से बचा लिया।

(छ) गुलीवर अपने देश वापस जा रहा था, उसको इस बात की खुशी थी। परंतु लिलिपुटवासियों से उसे जो प्यार और स्नेह मिला था, उसे वह भुला नहीं पा रहा था। लिलिपुटवासियों से बिछुड़ने का गुलीवर को बहुत दुख था। तभी उसने कहा कि यह उसके जीवन की अविस्मरणीय और अनोखी यात्रा थी।

2. (ङ) (घ) (ख) (क) (ग)

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (i) (ख) (ii) (ग) (i)

V. मूल्यपरक प्रश्न

- (क) इन पंक्तियों से पता चलता है कि बादशाह अच्छे तथा बहादुर इनसान की कद्र करता था।

  (ख) इन पंक्तियों से पता चलता है कि गुलीवर नम्र दिल का इनसान था। जो लोग गुलीवर को परेशान कर रहे थे उसने उनको भी जीवनदान दे दिया।
- इन पंक्तियों में बादशाह ने दूसरों के उपकार के प्रति अहसानमंद होने तथा दूसरों से प्रेमपूर्वक व्यवहार करने जैसे मानवीय गुणों तथा अतिथि के स्वागत-सत्कार तथा विदाई से संबंधित शिष्टाचार प्रकट करने जैसे मानवीय गुणों का भी परिचय दिया है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) भूतकाल (ख) भूतकाल (ग) भविष्यत् काल (घ) वर्तमान काल

(ङ) भूतकाल

2. (क) वर्तमान काल – मैं पानी पीने का इशारा कर रहा हूँ।

भविष्यत् काल – मैं पानी पीने का इशारा करूँगा।

(ख) वर्तमान काल – वे मुझ पर तीर चलाते हैं।।
भविष्यत् काल – वे मुझ पर तीर चलाएँगे।

(ग) भूतकाल – मैंने उनकी भाषा सीख ली।
वर्तमान काल – मैं उनकी भाषा सीख रहा हूँ।

(घ) भूतकाल – मैं बादशाह की आज्ञा के बिना कहीं नहीं गया।
भविष्यत् काल – मैं बादशाह की आज्ञा के बिना कहीं नहीं जाऊँगा।

(ङ) भूतकाल – उन्होंने गुलीवर को छोड़ दिया।
वर्तमान काल – वे गुलीवर को छोड़ रहे हैं।

(च) भूतकाल – मैंने यह टापू छोड़ दिया।
भविष्यत् काल – मैं यह टापू छोड़ दूँगा।

3. (ख) सोना - सोते-सोते (ग) चिल्लाना - चिल्लाते-चिल्लाते
(घ) सोचना - सोचते-सोचते (ङ) निकलना - निकलते-निकलते
(च) चलना - चलते-चलते

4. (क) (i) (ख) (iii) (ग) (ii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1-2 विद्यार्थी स्वयं करें।

3. नाव, सेलबोट, मोटरबोट, स्टीमर, जहाज़ तथा सबमरीन पानी पर चलने वाले वाहन हैं।

4-5. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 14. रहीम के दोहे

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

(क) कृष्ण और सुदामा के बारे में कवि ने कहा है कि जो लोग किसी गरीब का हित करते हैं, उनसे अधिक धनी और कोई नहीं होता जिस प्रकार गरीब सुदामा के मित्र कृष्ण ने उनकी दरिद्रता दूर कर दी थी।

(ख) इन दोहों के रचयिता रहीम हैं।

(ग) बिना पानी के सब सूना है।

(घ) जो गरीब का हित करे, वे लोग अमीर होते हैं।

III. लिखित कौशल

1. (क) 'पानी' शब्द के द्वारा कवि कहना चाहते हैं कि हमें अपने मान-सम्मान को बचाकर रखना चाहिए। एक बार अगर हमारे व्यवहार के कारण इज़्ज़त चली गई तो फिर वापस नहीं मिलती। इसलिए हमें सदा विनम्रता का व्यवहार करना चाहिए।

(ख) दूध के बारे में कवि ने कहा है कि यदि दूध फट जाए तो लाख प्रयत्न करने पर भी उसमें से मक्खन नहीं निकाला जा सकता है।

(ग) कवि के अनुसार, जो व्यक्ति किसी के पास कुछ माँगने जाता है उस व्यक्ति की आत्मा तो पहले ही मृत हो जाती है। पर उससे पहले उस व्यक्ति की आत्मा मर जाती है जो उसे कुछ नहीं देता अथवा जिसके मुँह से शब्द ही नहीं निकलते।

(घ) कवि ने सुई और तलवार का उदाहरण छोटी तथा बड़ी किसी भी वस्तु का विशेष महत्त्व बताने के लिए दिया है। वस्तु छोटी हो अथवा बड़ी उसका अपना अलग महत्त्व होता है। जिस प्रकार जो काम सुई से किया जाता है, उसके स्थान पर तलवार से नहीं किया जा सकता तथा जो काम तलवार कर सकती है वह सुई से नहीं किया जा सकता। दोनों का अपना-अपना महत्त्व है।

2. (क) लाख, माखन (ख) गरीब, कृष्ण

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (iii) (ख) (i)

V. मूल्यपरक प्रश्न

- कृष्ण और सुदामा की मित्रता से हमें सीख मिलती है कि सच्चा मित्र वही होता है जो विपरीत परिस्थितियों तथा मुश्किल समय में भी अपने मित्र का साथ नहीं छोड़ता तथा मित्र की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहता है।
- रहीम ने अपने दोहों में नैतिकता का संदेश दिया है। कवि के अनुसार हमें एक-दूसरे से मिल-जुलकर रहना चाहिए। कोई कुछ माँगने आए तो उसकी मदद करनी चाहिए। गरीबों के हितों के लिए काम करने चाहिए।
- रहीम के दोहे आज भी प्रासंगिक हैं क्योंकि इनके दोहों में नैतिक शिक्षा और समाज के हितों की बात की गई है। आज के बच्चों को नैतिक शिक्षा की अति आवश्यकता है।

VI. भाषा कौशल

1. (क) पुल्लिंग (ख) स्त्रीलिंग (ग) पुल्लिंग (घ) पुल्लिंग

2. (क) धनी (ख) चूना (ग) नहीं (घ) बिगड़े

3. (क) राजा के पास सोने की <u>तलवार</u> थी।

(ख) दुनिया में अच्छे-बुरे सभी तरह के <u>लोग</u> रहते हैं।

(ग) हमें अपने सभी <u>काम</u> निश्चित समय पर करने चाहिए।

(घ) ऋचा का <u>मन</u> पढ़ाई में नहीं लगता।

4. (क) (ii) (ख) (i) (ग) (iii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. अकबर के दरबार के बाकी आठ नवरत्न थे– फ़ैज़ी, अबुल फ़ज़ल, मान सिंह, तानसेन, टोडरमल, बीरबल, मुल्ला दो पिअज़ा तथा फ़कीर हकीमहुक्काम

2,3. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 15. सुनीता विलियम्स के अनुभव

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

(क) भारत के प्रथम अंतरिक्षयात्री का नाम राकेश शर्मा है।

(ख) सुनीता विलियम्स अमरीका में रहती हैं।

(ग) सुनीता विलियम्स के पिता धार्मिक प्रवृत्ति के व्यक्ति हैं।

(घ) कल्पना चावला की मृत्यु सन् 2003 में हुई थी।

III. लिखित कौशल

1. (क) सुनीता विलियम्स को बचपन से ही जानवरों से लगाव था इसलिए वे पशु चिकित्सक बनना चाहती थीं।

(ख) अंतरिक्षयात्री को इलेक्ट्रिशियन की जानकारी, कंप्यूटर का विशेष ज्ञान तथा एक डॉक्टर के गुणों से भरपूर होना चाहिए।

(ग) सुनीता विलियम्स को भारतीय व्यंजन विशेषकर 'ढोकला' बहुत पसंद है। उन्हें भारतीय ग्रंथ 'श्रीमद्भगवद्गीता' द्वारा मन को मज़बूत रखने की प्रेरणा मिलती है। भारतीय व्यंजन और भारतीय ग्रंथ के साथ होने पर उन्हें अपने घर से जुड़े रहने का अनुभव होता है।

(घ) सुनीता विलियम्स के पिता ने उन्हें भारतीय मूल का होने का हमेशा ध्यान दिलाया। जब वे छोटी थीं तब उनके पिता ने उन्हें 'लॉर्ड हनुमान' नामक कॉमिक्स लाकर दी। जब वे थोड़ी बड़ी हुईं तब उनके पिता ने उन्हें गांधी जी की आत्मकथा 'माई एक्सपेरिमेंट्स विद ट्रुथ' पढ़ने को दी। इन पुस्तकों से सुनीता को बहुत प्रेरणा मिली।

(ङ) एलियंस के बारे में सुनीता विलियम्स ने बताया कि अंतरिक्ष स्टेशन के लगातार चलते रहने के कारण कभी-कभी अचानक सूर्य के सामने होने या कभी चाँद के सामने होने पर कुछ प्रतिबिंब दिखाई देते हैं। ये प्रतिबिंब किसी के खड़े होने का भ्रम पैदा करते हैं और हम उन्हें 'एलियंस' मानने की भूल कर बैठते हैं।

(च) सुनीता विलियम्स ने बच्चों को दुनिया में आपसी भाईचारा फैलाने का संदेश दिया।

2. (क) सही (ख) गलत (ग) सही (घ) गलत (ङ) सही

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (iii) (ख) (ii) (ग) (iii)

V. मूल्यपरक प्रश्न

- (क)
- एक अंतरिक्षयात्री से हम संयमित जीवन-शैली, परिश्रम, विपरीत परिस्थितियों का सामना करने का साहस, जिज्ञासु प्रवृत्ति, दृढ़-निश्चयी एवं धैर्य बनाए रखने की प्रेरणा प्राप्त कर सकते हैं।

VI. भाषा कौशल

1. (क) सागर, रत्नाकर (ख) पर्वत, गिरि (ग) दोस्त, सखा (घ) जगत, संसार

(ङ) हृदय, दिल

2. (क) भारत + ईय (ख) आयोजन + इत (ग) उत्साह + इत

(घ) आवश्यक + ता (ङ) धर्म + इक (च) सीमा + इत

3. (क) सकर्मक (ख) सकर्मक (ग) सकर्मक (घ) अकर्मक (ङ) सकर्मक

(च) सकर्मक (छ) अकर्मक (ज) सकर्मक

4. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (iii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. (क) 2 अप्रैल, 1984

(ख) उनके साथ अंतरिक्ष में दो सोवियत अंतरिक्षयात्री वाई॰ वी॰ मैलीशेव तथा जी॰एम॰ स्ट्रेक्लोव गए थे।

(ग) सोयूज़ टी-11

(घ) उन्होंने कहा था, "सारे जहाँ से अच्छा हिदोंस्तां हमारा!"

2-6. विद्यार्थी स्वयं करें।

पाठ 16. हृदय परिवर्तन

I. श्रुतलेख

विद्यार्थी स्वयं करें।

II. मौखिक कौशल

(क) महात्मा बुद्ध भ्रमण करते हुए मगध देश के एक गाँव में पहुँचे थे।

(ख) ग्रामवासी अंगुलिमाल डाकू से परेशान थे।

(ग) वृद्धा ने महात्मा बुद्ध को जंगल से वापस जाने के लिए इसलिए कहा क्योंकि अंगुलिमाल की माला पूरी होने में एक ही अंगुली शेष बची थी और वह उसी के लिए किसी व्यक्ति की तलाश कर रहा था। वृद्धा को डर था कि कहीं अंगुलिमाल महात्मा बुद्ध को नुकसान न पहुँचा दे।

(घ) नहीं, अंगुलिमाल ने महात्मा बुद्ध का वध नहीं किया था।

III. लिखित कौशल

1. (क) महात्मा बुद्ध ने जब ग्रामवासियों से हालचाल पूछा तो उन्होंने जवाब दिया कि हम सब बहुत दुखी हैं।

(ख) ग्रामवासियों ने महात्मा बुद्ध को अंगुलिमाल के बारे में बताया कि वह गाँव के समीप एक जंगल में रहता है। वह अपनी इष्ट देवी को एक हज़ार अंगुलियों की माला पहनाकर सिद्धियाँ प्राप्त करना चाहता है इसलिए वह प्रतिदिन एक व्यक्ति को मारता है और उसकी एक अंगुली काटकर ले जाता है।

(ग) महात्मा बुद्ध को अंगुलिमाल के रहने का स्थान एक वृद्धा ने बताया।

(घ) महात्मा बुद्ध को देखकर अंगुलिमाल ने कहा, ''भला मेरे द्वार पर कोई आए और मैं उसे ऐसे ही विदा कर दूँ, यह तो पाप है!''

(ङ) अंगुलिमाल ने महात्मा बुद्ध पर प्रहार करने के लिए जैसे ही अपना हाथ उठाया उसका हाथ हवा में ही अटका रह गया। उसके पाँव जहाँ के तहाँ ज़मीन में जैसे जम गए थे।

(च) जब महात्मा बुद्ध ने अपना परिचय दिया तब अंगुलिमाल ने कहा, ''गौतम! गौतम बुद्ध! क्या आप महात्मा बुद्ध हैं? आप एक निर्दोष के प्राण बचाने हेतु स्वयं अपने प्राण देने चले आए। मैं पापी आपको पहचान भी न पाया और आप पर वार करने चला! मेरे पापों का कोई प्रायश्चित नहीं। हे प्रभु! मैं क्षमा योग्य भी नहीं, मुझे दंड दीजिए।''

(छ) (i) यह वाक्य अंगुलिमाल ने महात्मा बुद्ध से कहा।

(ii) यह वाक्य महात्मा बुद्ध ने अंगुलिमाल से कहा।

2. (क) सही (ख) गलत (ग) गलत (घ) सही (ङ) सही (च) सही

IV. बहुविकल्पी प्रश्न

(क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i)

V. मूल्यपरक प्रश्न

- महात्मा बुद्ध एक निर्दोष व्यक्ति के प्राण बचाने के लिए अपने प्राणों की बलि देने अंगुलिमाल के पास पहुँच गए। उन्होंने अंगुलिमाल के कटु व्यवहार एवं अपराध के बाद भी उसे क्षमा कर दिया। अंगुलिमाल महात्मा बुद्ध के दया, क्षमा, मानवीयता, करुणा आदि गुणों से बहुत प्रभावित हुआ।
- वृद्धा ने महात्मा बुद्ध को जंगल से लौट जाने को कहा। ऐसा करके उन्होंने एक मनुष्य का दूसरे मनुष्य के प्रति सुरक्षा का भाव और चिंता से संबंधित मानवीय गुणों का परिचय दिया।
- अंगुलिमाल को हिंसा का मार्ग छुड़ाने के लिए महात्मा बुद्ध के पास अहिंसा का साधन था।

VI. भाषा कौशल

1. (क) बहुवचन (ख) बहुवचन (ग) एकवचन (घ) एकवचन (ङ) बहुवचन

2. (क) प्रेरणार्थक क्रिया (ख) सामान्य क्रिया (ग) सामान्य क्रिया

(घ) सामान्य क्रिया (ङ) प्रेरणार्थक क्रिया (च) सामान्य क्रिया

(छ) सामान्य क्रिया (ज) प्रेरणार्थक क्रिया

3. (क) (i) (ख) (ii) (ग) (iii)

VII. विषय संवर्धन गतिविधियाँ

1. (क) लुंबिनी (ख) बोधगया (ग) सारनाथ (घ) श्रावस्ती (ङ) वैशाली
   (च) कुशीनगर (छ) राजगीर (ज) साँची

2–5. विद्यार्थी स्वयं करें।

नमूना प्रश्न-पत्र
(पाठ 1 से 16 तक)

समयावधि : .... **पूर्णांक : 50**

नोट: वर्तनी तथा लेखनी पर विशेष ध्यान दीजिए–

1. (क) बड़े को देखकर छोटे या तुच्छ को नहीं भूलना चाहिए।

(ख) कवि ने सुई और तलवार का उदाहरण छोटी तथा बड़ी किसी भी वस्तु का विशेष महत्त्व बताने के लिए दिया है। वस्तु छोटी हो अथवा बड़ी उसका अपना अलग महत्त्व होता है। जिस प्रकार जो काम सुई से किया जाता है, उसके स्थान पर तलवार से नहीं किया जा सकता तथा जो काम तलवार कर सकती है वह सुई से नहीं किया जा सकता। दोनों का अपना-अपना महत्त्व है।

(ग) लघुता।

(घ) ब् + अ + ड़् + ए + न् + अ

(ङ) कार्य।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) रीना ने सपने में पॉलिथीन को नदी में फेंका था।

(ख) महात्मा बुद्‌ध को देखकर अंगुलिमाल ने कहा, "भला मेरे द्‌वार पर कोई आए और मैं उसे ऐसे ही विदा कर दूँ, यह तो पाप है!"

(ग) जब गुलीवर की नींद खुली तो उसने अपने-आपको पतले-पतले धागों से बँधा पाया और उसने देखा कि मानव आकृति के बहुत छोटे-छोटे से जीव उसके ऊपर रेंगते हुए चढ़ते जा रहे थे।

(घ) पृथ्वी के चारों ओर वायुमंडल है। इसका तापमान मानव जीवन के लिए अनुकूल और लाभकारी है। यहाँ हरे-भरे मैदान, सागर, नदियाँ और बर्फ़ीले पहाड़ हैं। इसलिए पृथ्वी पर जीवन है।

(ङ) मांडले जेल में लोकमान्य तिलक ने अपना अधिकांश समय पढ़ने-लिखने में व्यतीत किया।

3. निर्देशानुसार कीजिए।

(क) (i) (ख) (i) (ग) (i) नहीं (ii) बिगड़े (घ) (i) जातिवाचक (ii) भाववाचक (ङ) (i) समिति (ii) ढिंढोरा

(च) (i) कर्ण, श्रुतिपटल (ii) राही, पथिक (छ) (i) पुल्लिंग (ii) स्त्रीलिंग (ज) (i) सौ हज़ार, एक पदार्थ जिससे वस्तुएँ बनाई जाती हैं।

(झ) (i) जलधारा (ii) कार्यक्रम (ञ) (i) खोला (ii) खरीदने

4. विद्‌यार्थी स्वयं करें। **उत्तर के लिए संकेत-बिंदु –** (i) भारत की आज़ादी (ii) इसकी विशेषता एवं त्योहार (iii) एकता (iv) विविधता (v) आपसी प्रेम

5. विद्‌यार्थी स्वयं करें।

जाँच पत्र–1

(पाठ 1–8 पर आधारित)

कुल अंक 25

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) हमारा जीवन पेड़ों पर निर्भर है क्योंकि इनसे ही हमें जीवनदायी शुद्ध हवा, फल, लकड़ी एवं विभिन्न प्रकार की औषधियाँ मिलती हैं। इनके बिना धरती पर हमारा अस्तित्व असंभव है।

(ख) पृथ्वी की सूर्य के चारों ओर घूमने की गति को परिभ्रमण कहते हैं। इसके कारण दिन–रात होते हैं।

(ग) सपना टूटने के बाद रीना के मन से आवाज़ आई, 'रीना! जब जागो तभी सवेरा। आओ, प्रण करो कि नदियों को प्रदूषित होने से बचाएँगे। इसके लिए लोगों को जागरूक बनाएँगे।'

(घ) इंद्रधनुष में सात रंग होते हैं। उनका क्रम है– बैंगनी, जामुनी, नीला, हरा, पीला, नारंगी और लाल।

(ङ) अपनी स्थिति देखकर मोइना सवाल करती थी– क्यों मुझे मीलों चलना पड़ता है नदी से पानी लाने के लिए? क्यों रहते हैं हम पत्ते की झोंपड़ी में? हम दिन में दो बार चावल क्यों नहीं खा सकते?

(च) ज़रूरत पड़ने पर हमें दूसरों की मदद करनी चाहिए। कई बार दूसरों की परेशानियों को दूर करने के लिए अपनी खुशियों का त्याग करना पड़ता है। इसका सच्चा उदाहरण असलम ने प्रस्तुत किया। अतः असलम ने दूसरों की मदद करना तथा त्याग जैसे मानवीय गुणों का परिचय दिया है।

2. निम्नलिखित पंक्तियों का अर्थ लिखिए।

(क) बर्फ़ से ढका सफ़ेद हिमालय भारत के मुकुट के रूप में शोभायमान है और हिमालय से निकलकर सिंधु नदी इसके चरणों में सतत प्रवाहित होती रहती है।

(ख) बचपन में माँ बच्चे का साथ देती है। उसका हाथ पकड़ती है, मगर बड़ा होने पर माँ सदा साथ नहीं रहती। जीवन रूपी मार्ग पर व्यक्ति को स्वयं चलना पड़ता है।

3. कोष्ठक में से सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए।

(क) टोकरी (ख) शांत (ग) कढ़ाई (घ) आशा (ङ) अस्पष्ट

4. निम्नलिखित वाक्यों में से निर्देशानुसार शब्दों को चुनकर लिखिए।

(क) सुंदरता (ख) गहरी (ग) मुझे (घ) बताई (ङ) सज्जित

5. उचित विकल्प चुनिए।

(क) (ii) (ख) (iii) (ग) (i) (घ) (ii) (ङ) (i)

जाँच पत्र-2

(पाठ 9-16 पर आधारित)

कुल अंक 25

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(क) लोकमान्य तिलक को सन् 1908 में अंग्रेज़ों के खिलाफ़ राजद्रोह करने के कारण गिरफ़्तार किया गया था।

(ख) एक खिलाड़ी के लिए संतुलित भोजन बहुत आवश्यक है। संतुलित आहार से ही उसका सही ढंग से शारीरिक, बौद्धिक तथा मानसिक विकास होता है। इससे उसके शरीर को ताकत मिलती है। खेलकूद में खिलाड़ी को खेल के अलावा कसरत करनी पड़ती है इसके लिए संतुलित आहार लेना बहुत ज़रूरी है।

(ग) मोती अपनी दशा देखकर ज़ोर-ज़ोर से चिंघाड़ता और उछलता। एक दिन उसने गले में बँधी रस्सी और पैरों में पड़ी जंज़ीरें तोड़ डालीं तथा जंगल की ओर भाग निकला।

(घ) रहीम ने सुई और तलवार का उदाहरण छोटी तथा बड़ी किसी भी वस्तु का विशेष महत्त्व बताने के लिए दिया है। वस्तु छोटी हो अथवा बड़ी उसका अपना अलग महत्त्व होता है। जिस प्रकार जो काम सुई से किया जाता है, उसके स्थान पर तलवार से नहीं किया जा सकता तथा जो काम तलवार कर सकती है वह सुई से नहीं किया जा सकता। दोनों का अपना-अपना महत्त्व है।

(ङ) महात्मा बुद्ध को देखकर अंगुलिमाल ने कहा, ''भला मेरे द्वार पर कोई आए और मैं उसे ऐसे ही विदा कर दूँ, यह तो पाप है!''

2. निम्नलिखित वाक्य किसने किससे तथा क्यों कहे?

(क) कोच ओजा ईबोम्चा ने मैरी कॉम से कहा क्योंकि वह मुक्केबाजी सीखने उनके पास गई थी।

(ख) महात्मा बुद्ध ने ग्रामवासियों से कहा जब उन्होंने लोगों को चिंतित देखा।

3. पाठ के आधार पर लिखिए कि निम्नलिखित वाक्य सही हैं या गलत।

(क) गलत (ख) सही (ग) सही (घ) सही

4. निम्नलिखित वाक्यों में से निर्देशानुसार शब्दों को चुनकर लिखिए।

(क) मामूली (ख) शाम तक (ग) रास्ता बतलाना (घ) मेहनत

5. उचित विकल्प चुनिए।

(क) (ii) (ख) (iii) (ग) (ii) (घ) (iii)

6. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

(क) सीमा में न रहना – पिता जी क्रोधित होकर आपे से बाहर हो गए।

(ख) टक्कर लेना – शिवाजी ने औरंगजेब से लोहा लिया था।

(ग) रास्ता देखना – माँ अपने बेटे की बाट जोह रही है।

(घ) चकित रह जाना – पर्वतारोही का साहस देखकर लोगों ने दाँतों तले उँगली दबा ली।

(ङ) उपेक्षा करना – अपना मतलब हल होते ही दिनेश ने पड़ोसियों से मुँह फेर लिया।

(च) कड़ी मेहनत करना – रमेश ने बारहवीं की परीक्षा पास करने के लिए दिन-रात एक कर दिया।